न दहेज लेंगे और न देंगे, बेटियों को पढ़ाएंगे

सीएसए में राज्यपाल ने महिलाओं से किया आह्वान, कहा- बालिकाओं के लिए पढ़ाई बेहद जरूरी

सीएसए में कृषक महिला सराक्तीकरण खाद्य एवं पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी देखतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और अन्य।

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। घर पर चूल्हा, चौका कर खेतों में दिन भर काम करने वाली महिलाएं बधाई की पात्र हैं। इन कृषक महिलाओं को देखकर अपने पुराने दिन याद आ गए, जब मैं भी घर का काम, खेत और स्कूल तक सीमित थी। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शुक्रवार को कृषक महिला सशक्तीकरण खाद्य एवं पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कही।

उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में हों, लेकिन पढ़ाई करना बेहद जरूरी है। संकल्प लें स्थिति चाहे जैसी हो बेटे और बेटियों को सामान रूप से शिक्षा देंगे। महिलाओं से आह्वान किया कि दहेज न लेने और न देने का संकल्प जरूर लें। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह व विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में 11 जिलों की करीब 1500 महिलाओं ने हिस्सा लिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश व समाज को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए विश्वविद्यालय व शैक्षणिक संस्थानों को भी आगे आना होगा।

वहीं, कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। नीलिमा कटियार ने जालौन जनपद के स्वयं सहायता समूह की तारीफ की जहां महिलाओं ने कोरोना काल में सैनिटाइजर बनाकर आर्थिक मजबूती प्राप्त की। लाखन सिंह ने भी खेती में महिलाओं के योगदान के बारे में जानकारी दी। सूर्य प्रताप शाही ने मिशन शक्ति के बारे में बताया।

वहीं, छात्र-छात्राओं ने तू ही लक्ष्मी, तू ही सरस्वती, तू ही है शक्ति स्वरूपा....नाटिका प्रस्तुत की। 15 मिनट चले नाटक में नारी के विभिन्न रूपों को दर्शाया गया। धन्यवाद डॉ. धूम सिंह ने दिया। इस मौके पर डॉ. खलील खान, डॉ. संजीव सचान मौजूद रहे।

महिलाओं ने साझा किए कार्य

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालीं दस महिलाओं को अपने विचार रखने के लिए बुलाया गया था पर समय की कमी के कारण चार को ही मौका दिया गया। डॉ. बिंदु सिंह ने बताया कि वह महिलाओं के उत्थान के साथ मिट्टी के बर्तन बनाती हैं। जल्द ही अनूपपुर गांव में मिट्टी के बर्तन बनाने की यूनिट शुरू करेंगी। नीलम चतुर्वेदी ने बताया कि उन्होंने अभी तक 23 हजार से अधिक महिलाओं को न्याय दिलवाया है, गांवों में हॉफ मैराथन करवाई है। डॉ. अनुपम देशवाल ने बताया कि उनकी आइडियल एजूकेशन वेलफेयर सोसाइटी छात्राओं को कोचिंग करवाती है। कोचिंग की कई छात्राएं उच्च पदों पर आसीन हैं। साक्षी विद्यार्थी ने बताया कि साक्षी फाउंडेशन 600 पीड़िताओं का केस लड़ चुका है और हजारों लड़कियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दे चुका है।

नीलम चतुर्वेदी और डॉ. अनुपम

साक्षी विद्यार्थी और डॉ. बिंदु सिंह

वैज्ञानिकों ने लगाई उत्पादों की प्रदर्शनी

- सीएसए और केवीके के वैज्ञानिकों ने विशिष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छोटे-छोटे रोजगार परक उद्यम जैसे मसाला उत्पादन, दाल उत्पादन, दलिया, मशरूम और अनाज से बनने वाले उत्पादों के विषय में बताया गया।

रोडमैप पुस्तिका का किया विमोचन

- सीएसए के शोध निदेशक डॉ. एचजी प्रकाश व डॉ. श्वेता की पुस्तिका रोडमैप का विमोचन राज्यपाल समेत सभी अतिथियों ने किया। साथ ही, विवि के गोद लिए हुए गांव की महिला राधा को राज्यपाल ने आत्मनिर्भर बनने के लिए सिलाई मशीन भेंट की। यह मशीन कुल 10 महिलाओं को दी गई है।

सीएसए के छात्र-छात्राओं ने नाटिका प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

पति सुरेंद्र पाल भेलपुरी का ठेला लगाते हैं। सिलाई मशीन मिली है। खुद सिलाई का काम शुरू करूंगी, जिससे कुछ अतिरिक्त आय हो जाएगी। -राम कुमारी

राज्यपाल मैडम बोली हैं, मशीन मिल गई है, अब खुद का काम करना। गांव की महिलाओं के कपड़े सिलने का काम शुरू करेंगे। -राधा देवी

गांव की महिलाओं के कपड़े सिलकर खुद का काम शुरू करूंगी। पति श्री राम किसानी का काम करते हैं। मुझे विश्वास है रोजाना दो से तीन सौ रुपये कमा लूंगी। -राजा बेटी

सिलाई का काम तो आता था। लेकिन मशीन नहीं थी इसलिए खुद का काम नहीं शुरू कर पाई। अपनी दुकान खोलूंगी। -श्रीमती देवी

राज्यपाल से शिकायत करने पहुंची महिला

कार्यक्रम के दौरान फर्रुखाबाद निवासी मीना देवी ने शिकायती पत्र लेकर गवर्नर के पास जाने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उनको मंच पर जाने से रोका और शिकायती पत्र राज्यपाल को देने की बात कही। मीना ने बताया कि फर्रुखाबाद के बाईपास कोरिया थाना मऊ दरवाजा इलाके में उनका खुद का मकान है। पति की मौत हो चुकी है। रविंद्र सिंह नाम का व्यक्ति फर्जी बैनामा दिखाकर मकान खाली करने को कहता है। पिछले कुछ दिनों से जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। सबसे शिकायत की पर कुछ नहीं हुआ।

विशाल प्रदेश हिन्दी दैनिक
कानपुर, शनिवार 30 जनवरी 2021

राज्यपाल ने कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि दो दिवसीय संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

नासिर आजाद

कानपुर(विशाल प्रदेश)कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल, 30प्र0 आनन्दीबेन पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गोष्ठी में बड़ी संख्या में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं महिला किसानों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा क्षेत्र है और इस क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों के सहयोग से अधिक कार्य हो रहा है कृषि के साथ-साथ पशु पालन कार्य भी किया जाता है उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से कहा कि वह अपनी बेटे-बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें, उन्होंने बेटियों को आवश्यक रुप से शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि बेटियां शिक्षित होगी, तो आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं किसी रोजगार व कार्य करके आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सकती है, उन्हें किसी दूसरे के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा उन्होंने कहा कि बेटियों, किशोरियों को कुपोषण से मुक्त करना है उन्होंने कहा कि महिलायें को शारीरिक रुप से सशक्त होना चाहिये उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में कोई भेद-भाव नही करें और समान रुप से उनके शिक्षा व पालन पोषण का संकल्प लें महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें

उन्होंने कहा कि 30प्र0 में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने गर्भवती महिलाओ की स्वास्थ्य सुविधा हेतु चिकित्सालयों में उनके स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रसव आदि की व्यवस्था की है इसके लिये महिलाओं को जागरुक होकर लाभ लेने की आवश्यकता है सरकार गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच कराने के लिये 5 हजार रुपये व्यय कर रही है उन्होंने कहा कि कुपोषण व टीवी जैसी गम्भीर बीमारियों से लोगों को मुक्त कराना है उन्होंने नवजात शिशुओं को माताओं द्वारा स्तनपान कराये जाने पर जोर देते हुये कहा कि यह उनके जीवन रक्षक के रुप में काम करता है उन्होंने नवजात बच्चों की एक से डेढ वर्ष तक बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल करने का आवाहन किया जिससे कि बच्चे निरोगी रहें उन्होंने कहा कि सभी महिलायें संकल्प लें कि वह कभी अपने बेटे के शादियों में दहेज की मांग नही करेंगी, जिससे कि दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूह की श्रीमती राधादेवी सहित 10 महिलाओं को सिलाई मशीन आदि वितरण किया कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया मंत्री कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि 30प्र0 सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिये अनेकों कार्यक्रम संचालित कर रही है उन्होंने कहा कि महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक रुप से सशक्त बनाने का अभियान चलाये जा रहे है उन्होंने भारी संख्या में दूर-दराज से आयीं महिलाओं एवं महिला किसानों का आवाहन किया कि आप जब शिक्षित होती हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है सरकार महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिये मिशन शक्ति के माध्यम से भी उन्हें और अधिक मजबूत कर रही है मिशन शक्ति का उद्देश्य बेटी-बेटियों को सशक्त और सामर्थ्यवान बनाना है सरकार बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ, भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान एवं विभिन्न योजनायें चलाकर उन्हें जागरुक कर रही है व विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी कर रही है राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सरकार निरन्तर प्रयत्नशील है उन्होंने कहा कि आज 13 जिलों से 1500 महिलायें प्रतिभाग कर रही हैं महिला किसानों की खेती बाड़ी से अब आय दोगुनी हो रही है 05 लाख 80 हजार बेटियों को कन्या सुमंगला योजना, 36 लाख 16 हजार से मातृत्व बंदना योजना से लाभान्वित किया गया है कार्यक्रम में कृषि उद्यमिता से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की कार्यक्रम में कृषि व्यवसाय के छात्र, छात्राओं द्वारा नाट्य वेद माध्यम से नारी सशक्तीकरण कार्यक्रम का मंचन किया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, श्रीमती नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री, तकनीकि शिक्षा, संदीप सिंह, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह, प्रसार निदेशक, धूम सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, कृषि वैज्ञानिक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलायें तथा अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे

वर्ष-7 अंक-327 कानपुर, शनिवार 30 जनवरी 2021 पृष्ठ-8

कानपुर से प्रकाशित

दैनिक

आज का कानपुर

K.P.City-323/2018-20
RNI No : UPHIN/2014/55306

राज्यपाल ने दीप प्रज्जवलित कर दो दिवसीय संगोष्ठी का किया शुभारम्भ

आज का कानपुर

कानपुर।कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में मुख्य अतिथि प्रदेश राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं महिला किसानों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा क्षेत्र है और इस क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों के सहयोग से अधिक कार्य हो रहा है। कृषि के साथ-साथ पशु पालन कार्य भी किया जाता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से कहा कि वह अपनी बेटे-बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें, उन्होंने बेटियों को आवश्यक रुप से शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि बेटियां शिक्षित होंगी, तो आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं किसी रोजगार व कार्य करके आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सकती है, उन्हें किसी दूसरे के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेटियों/किशोरियों को कुपोषण से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि महिलायें को शारीरिक रुप से सशक्त होना चाहिये। उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में कोई भेद-भाव नही करें और समान रुप से उनके शिक्षा व पालन पोषण का संकल्प लें। महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने गर्भवती महिलाओ की स्वास्थ्य सुविधा हेतु चिकित्सालयों में उनके स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रसव आदि की व्यवस्था की है इसके लिये महिलाओं को जागरुक होकर लाभ लेने की आवश्यकता है। सरकार गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की जांच कराने के लिये 5 हजार रुपये व्यय कर रही है। उन्होंने कहा कि कुपोषण व टीबी जैसी गम्भीर बीमारियों से लोगों को मुक्त कराना है। उन्होंने नवजात शिशुओं को माताओं द्वारा स्तनपान कराये जाने पर जोर देते हुये कहा कि वह उनके जीवन रक्षक के रुप में काम करता है। उन्होंने नवजात बच्चों की एक से डेढ़ वर्ष तक बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल करने का आवाहन किया जिससे कि बच्चे निरोगी रहें। उन्होंने कहा कि सभी महिलायें संकल्प लें कि वह कभी अपने बेटे के शादियों में दहेज की मांग नही करेंगी, जिससे कि दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूह की श्रीमती राधादेवी सहित 10 महिलाओं को सिलाई मशीन आदि वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।मंत्री कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिये अनेकों कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक रुप से सशक्त बनाने का अभियान चलाये जा रहे है। उन्होंने भारी संख्या में दूर-दराज से आयीं महिलाओं एवं महिला किसानों का आवाहन किया कि आप जब शिक्षित होती हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। सरकार महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिये मिशन शक्ति के माध्यम से भी उन्हें और अधिक मजबूत कर रही है। मिशन शक्ति का उद्देश्य बेटी-बेटियों को सशक्त और सामर्थ्यवान बनाना है। सरकार बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ, भ्रूण हत्या के खिलाफ अभियान एवं विभिन्न योजनायें चलाकर उन्हें जागरुक कर रही है व विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी कर रही है। राज्य मंत्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सरकार निरन्तर प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि आज 13 जिलों से 1500 महिलाये प्रतिभाग कर रही है। महिला किसानों की खेती बाड़ी से अब आय दोगुनी हो रही है। 05 लाख 80 हजार बेटियों को कन्या सुमगंला योजना, 36 लाख 16 हजार से मातृत्व बंदना योजना से लाभान्वित किया गया है।कार्यक्रम में कृषि उद्यमिता से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में कृषि व्यवसाय के छात्र-छात्राओं द्वारा नाट्य के माध्यम से नारी सशक्तीकरण कार्यक्रम का मंचन किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री, तकनीकि शिक्षा, संदीप सिंह, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, कुलपति डा0 डी0आर0सिंह, प्रसार निदेशक, धूम सिंह सहित जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक एवं स्वयं सहायता समूह की महिलायें तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटियां होकर शिक्षित, बनें स्वावलंबी- राज्यपाल

राज्यपाल ने कृषक महिला सशक्तिकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

30/01/2021

दैनिक सच्चा एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में .षक महिला सशक्तिकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि कार्यक्रम संपादित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि उपस्थित .षक महिलाएं अपनी बेटियों को शिक्षा अवश्य दिलाएं ।जिससे बेटियां स्वाभिमान से अपना जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि महिलाएं दूध व सब्जियों का सेवन अवश्य करें जिससे कि वे तन व मन से सशक्त हो सके ।मुख्य अतिथि ने यह भी कहा कि बेटा बेटी में कोई अंतर न करें सभी को समान शिक्षा व समान भोजन मिले इसके लिए आज आप लोग संकल्प लें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं। उपस्थित महिलाओं से आवाहन किया कि वे नवजात बच्चों को एक से डेढ़ वर्ष तक अच्छी तरह से देखभाल रखें जिससे बच्चे निरोगी रहें ।साथ ही उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि आप लोग यह भी संकल्प लें कि न दहेज देंगे न ही दहेज लेंगे। जिससे दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके। मुख्य अतिथि ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि आप लोग .षि एवं .षि क्षेत्र के उद्यम में आगे बढ़े जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो और आत्मनिर्भर बने। इससे समाज को एक नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया। तथा जैव संवर्धित गांव अनूपपुर की .षक महिला राधा देवी को सिलाई मशीन भी भेंट की गई। जबकि कुल 10 महिलाओं को सिलाई दी गई। इस अवसर पर .षि, .षि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि महिलाओं के आत्मनिर्भर के लिए जरूरी है कि वह शिक्षित हो ।उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त हो। इस बात की आवश्यकता है साथ ही मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है इस अवसर पर .षि .षि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत व उच्च शिक्षा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने भी महिलाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर .षि

उद्यमिता से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की। साथ ही .षि व्यवसाय प्रबंधन के छात्र–छात्राओं द्वारा नाट्य के माध्यम से नारी सशक्तिकरण का मंचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की विस्तार से प्रगति आख्या प्रस्तुत की ।कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सीपी सचान ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉ धूम सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर 13 जनपदों से लगभग 15000 महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

inext

Kanpur, Saturday,
30 January 2021

सीएसए में देखा महिलाओं का हुनर

सीएसए में फ्राइडे को 'कृषक महिला सशक्तिकरण खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि योजना' कार्यक्रम ऑर्गनाइज किया गया. राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने महिला द्वारा किए जा रहे कार्यों को भ़ी देखा. इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से बातकर उनके हुनर और कार्यों के बारे में जानकारी भी ली. बता दें कि गांव में रहने वाली महिलाएं अपने हुनर से घर पर रहकर उद्यमिता स्थापित कर अपने साथ दूसरी महिलाओं को आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही हैं. कानपुर समेत इटावा, औरैया, फिरोजाबाद व फर्रुखाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं ने कई स्वयं सहायता समूह बनाए हैं. यहां पर वह आचार, मुरब्बा, हल्दी, धनिया, मिर्चा व गरम मसाले समेत रोजमर्रा की जरूरत में प्रयोग होने वाली चीजें बनाकर खुद को व दूसरी महिलाओं को आगे बढ़ा रही हैं.

बेटियों को भी बेटों के समान दिलाएं शिक्षा जिससे स्वाभिमानी बन कर जी सकें जीवन

30/01/2021

जन एक्सप्रेस संवाददाता

प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हुए किसान महिला सशक्तिकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यहां उपस्थित किसान महिलाएं अपनी बेटियों को शिक्षा अवश्य दिलाएं जिससे बेटियां स्वाभिमान से अपना जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि बेटा और बेटी में कोई अंतर ना करते हुए सभी को समान शिक्षा और समान भोजन उपलब्ध हो तथा उन्होंने महिलाओं को दहेज ना देने और ना ही लेने के लिए संकल्पित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा तैयारी रोड मैप का विमोचन किया गया तथा कुल 10 महिलाओं को सिलाई मशीन दी गई।

कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए यह जरूरी है कि वह शिक्षित हो

तथा सामाजिक और आर्थिक रूप स
सशक्त हो इसलिए मिशन शक्ति के
माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भ
बनाया जा रहा है।

कृषि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज
मंत्री लाखन सिंह राजपूत व उच्च
शिक्षा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिक
राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने भ
महिलाओं को संबोधित किया
विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी
आर. सिंह ने सभी अतिथियों क
स्वागत किया तथा कार्यक्रम
प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदी
सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर 1
जनपदों से लगभग 1500
महिलाओ सहित विश्वविद्यालय के
अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्राध्यापक
मौजूद रहे।

जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ संस्करण

वर्ष-05, अंक -97

शनिवार, 30 जनवरी, 2021

पृष्ठ 12

मूल्य 3 रु*

लखनऊ, लोकल, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

For epaper → www.updainikbhaskar.com

कृषक महिला सशक्तिकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि का आयोजन सीएसए में

- महिलायें कृषि एवं कृषि क्षेत्र के उद्यम में आगे बढ़े जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो और आत्मनिर्भर बनें: आनंदी बेन

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए में कृषक महिला सशक्तिकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं समृद्धि कार्यक्रम संपादित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल उपस्थित रही। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल ने कहा कि उपस्थित कृषक महिलाएं अपनी बेटियों को शिक्षा अवश्य दिलाएं। जिससे बेटियां स्वाभिमान से अपना जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि महिलाएं दूध व सब्जियों का सेवन अवश्य करें जिससे कि वे तन व मन से सशक्त हो सके।मुख्य अतिथि ने यह भी कहा कि बेटा-बेटी में कोई अंतर न करें सभी को समान शिक्षा व समान भोजन मिले इसके लिए आज आप लोग संकल्प लें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं। उपस्थित

महिलाओं से आवाहन किया कि वे नवजात बच्चों को एक से डेढ़ वर्ष तक अच्छी तरह से देखभाल रखें जिससे बच्चे निरोगी रहे । साथ ही उन्होंने उपस्थित महिलाओं से कहा कि आप लोग यह भी संकल्प ले कि न दहेज देंगे न ही दहेज लेंगे। जिससे दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके। मुख्य अतिथि ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि आप लोग कृषि एवं कृषि क्षेत्र के उद्यम में आगे बढ़े जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो और आत्मनिर्भर बने। इससे समाज को एक नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया। तथा जैव संवर्धित गांव अनूपपुर की कृषक महिला श्रीमती राधा देवी को सिलाई मशीन भी भेंट की गई। जबकि कुल 10 महिलाओं को सिलाई दी गई। इस अवसर पर कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि महिलाओं के आत्मनिर्भर के लिए जरूरी है कि वह शिक्षित हो। उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त हो। इस बात की आवश्यकता है साथ ही मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है इस अवसर पर कृषि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत व उच्च शिक्षा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने भी महिलाओं को संबोधित किया। इससे पहले कुलाधिपति ने हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह में पहुंची और यूनिवर्सिटी के मेधावियों को पुरस्कार वितरित कर उनको बेहतर भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो। दीक्षांत समारोह में एचबीटीयू के प्रोफेसर सहित में विद्यार्थी मौजूद रहे। इस अवसर पर कृषि उद्यमिता से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी प्रस्तुत की।

साथ ही कृषि व्यवसाय प्रबंधन के छात्र-छात्राओं द्वारा नाट्य के माध्यम से नारी सशक्तिकरण का मंचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की विस्तार से प्रगति आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह जी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सीपी सचान ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में निदेशक प्रसार डॉ धूम सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर 13 जनपदों से लगभग 15000 महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम में विवि के अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

अचार, मसाले के गृह उद्योग लगा आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं

जागरण संवाददाता, कानपुर : गांव में रहने वाली महिलाएं अपने हुनर से घर पर रहकर उद्यम स्थापित कर अपने साथ दूसरी महिलाओं की भी आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं। कानपुर, इटावा, औरैया, फीरोजाबाद व फर्रुखाबाद समेत आसपास के क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं ने कई स्वयं सहायता समूह बनाए हैं। यहां पर वह आचार, मुरब्बा, हल्दी, धनिया, मिर्चा व गरम मसाले समेत रोजमर्रा की जरूरत में प्रयोग होने वाली चीजें बनाकर खुद और दूसरी महिलाओं को आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा महिलाओं को शिक्षित बनाने और उन्हें विधिक सलाह दिलाकर उनके केस लड़ने के लिए भी वह आगे आई हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में शुक्रवार को 'कृषक महिला सशक्तिकरण खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि योजना' कार्यक्रम के दौरान इन महिलाओं ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के सामने अपने अनुभव बांटे। इस दौरान सरसौल कानपुर की सीमा पांडेय ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा महिला समिति स्वयं सहायता समूह व उनका अपना बैंक स्थापित गया है, जो तुरंत आर्थिक मदद करता है। वह 100 रुपये प्रतिमाह की बचत करने के साथ जरूरत पड़ने पर डेढ़ फीसद ब्याज पर ऋण मिलता है।

सीएसए में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करतीं (बाएं से) राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ,कृषि शिक्षा एव अनुसंधान राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार व कुलपति डॉ .डीआर सिंह • जागरण

सीएसए में कृषक महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य नाटिका का मंचन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया • जागरण

इन महिलाओं को स्वावलंबन के लिए मिली सिलाई मशीन

राजाबेटी, सुमन, नन्हीं, केतकी, गुड्डी, रूबी, राधा देवी, लक्ष्मी देवी, श्रीमती देवी, राम कुमारी

महिला उत्थान पर काम करने वाली इन महिलाओं ने किया संवाद : बिंदु सिंह, नीलम चतुर्वेदी, अनुपम देशवाल, साक्षी विद्यार्थी, साधना घोष, दीपिका सेंगर, रितिका गुप्ता, दीप्ति शर्मा, उमा सारस्वत, अंकुर सिंह

स्वयं सहायता समूह स्थापित करने वाली महिलाएं : बबली, कांती देवी, भाग्यश्री, शशिकांती, पूनम उमा, सीमा पांडेय, राजवती, अंशु, रंजना देवी।

बेटे-बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें महिलाएं

जासं, कानपुर : ग्रामीण महिलाओं में अपार क्षमता है। खेतों में काम करने के साथ वह घर व बाल बच्चे संभालती हैं। परिवार के लिए करते करते वह अपनी सेहत का ख्याल रखना भूल जाती हैं, जिसका असर गर्भवती महिलाओं के बच्चों पर पड़ सकता है। उन्हें सरकारी सेवाओं के बारे में जागरूक होने के साथ उसका लाभ लेना चाहिए। ये बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में कृषक महिला सशक्तीकरण के अंतर्गत 'खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि' विषय पर हुई संगोष्ठी में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं। उन्होंने कहा कि बेटियां शिक्षित होंगी तो आवश्यकता पड़ने पर नौकरी व रोजगार करके अपना जीवन यापन कर सकती हैं। कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने बेटियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा, महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। इस दौरान उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार भी मौजूद रहीं।

किसानों को बहकाया जा रहा, छोड़ें हठधर्मिता : शाही

जासं, कानपुर : किसानों की बात सरकार हमेशा सुनती रही है। उनकी जरूरतों का पहले ख्याल रखा गया है। किसान भाइयों को बहकाया जा रहा है। यह बात कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कही। उन्होंने कहा कि किसानों को समझदारी का परिचय देना चाहिए। हठधर्मिता छोड़ कर बातचीत का रास्ता अपनाएं। बोले, गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में जो हुआ वह शर्मनाक है। कृषि शिक्षा के आधुनिकीकरण के प्रश्न के जवाब में कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को हाईटेक बनाया जा रहा है।

आज

कानपुर 30 जनवरी 2021 2

महिलाओं को दी गई सिलाई मशीन

कानपुर। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत सभी अतिथियों ने रोडमैप पुस्तका नामक का विचोमन किया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डॉ. एच.जी प्रकाश व डॉ. श्वेता ने एक पुस्तिका तैयार की है, जिसका नाम है रोडमैप। इसके साथ ही विवि के गोद लिए हुए गांव की महिला राधा को रायप... ने आत्मनिर्भर बनने के लिए सिलाई मशीन भेंट की। साथ ही यह मशीन 10 महिलाओं को भी दी गई।

महिला को सिलाई मशीन भेट करती राज्यपाल साथ में कृषि मंत्री।

'बेटी-बेटों को पढ़ाने का संकल्प लेकर जाएं महिलाएं'

कानपुर (एसएनबी)। प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने यहां सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि शुक्रवार को कहा कि सभी महिलाएं यहां से तीन संकल्प साथ लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि सभी बेटियों-बेटों को समान रूप से पढ़ाने, कुपोषण से बचाव कों उपाय करने तथा दहेज न ही देने व न मांग करने का संकल्प लें।

राज्यपाल विवि में ' कृषक महिला सशक्तीकरण, खाद्य व पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि' विषयक ' संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। संगोष्ठी को प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह, कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत व प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने भी संबोधित किया। यहां विवि की छात्राओं ने नारी शक्ति की महत्ता को दर्शाती मनोरम नृत्य नाटिका का प्रदर्शन भी किया, जिसे खूब सराहना मिली।यहां विवि द्वारा तैयार रोड मैप का विमोचन भी किया गया। इसके साथ ही देश के प्रथम जैव संवर्धित गांव के रूप में विकास के लिए विवि द्वारा गोद लिये गये गांव अनूपपुर की कृषक महिला राधा देवी सहित कुल 10 महिलाओं को आत्मनिर्भरता को लक्ष्य कर सिलाई मशीन भी भेंट की गई। कार्यक्रम में 13 जिलों से आयी महिला कृषकों व विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी की। यहां महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाई गई विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विवि कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने विवि की प्रगति आख्या प्रस्तुत करने के साथ ही महिला कृषक व महिला समाज की समृद्धि के साथ ही ग्राम्य विकास के लिए किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। डॉ.सीपी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन व निदेशक प्रसार डॉ.धूम सिंह ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली चिह्नित महिलाओं ने अपने कार्यो की जानकारी दी। डॉ.बिन्दु, नीलम चतुर्वेदी, डॉ.अनुपम देशवाल व साक्षी विद्यार्थी ने विस्तार से किये जाने वाले कार्यो के बारे में बताया।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में ' कृषक महिला सशक्तीकरण, पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि' पर कार्यक्रम

सीएसए में कृषक महिला सशक्तिकरण खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि संगोष्ठी कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल साथ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत व राज्यमंत्री नीलिमा कटियार। फोटो : एसएनबी

शिकायत लेकर राज्यपाल तक नहीं पहुंच पायी महिला

कार्यक्रम के दौरान फर्रुखाबाद के एक गांव से आयी महिला मीना देवी अपना एक प्रतिवेदन राज्यपाल को देना चाहती थीं, लेकिन मंच तक नहीं पहुंच.पायीं। राज्यपाल कार्यालय के अधिकारियों ने उसका पत्र लेकर आश्वस्त कराया कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई कराई जायेगी। महिला की शिकायत यह थी कि उसके पति की मौत हो चुकी है तथा रवीन्द्र सिंह नाम का एक व्यक्ति फर्जी उसके पति का किया बैनामा बता उसका घर-द्वार हड़पने की कोशिश में है। उसने मुकदमा भी कर रखा है, पर न्याय नहीं मिल सका है।

महिलाओं के प्रति बदल रही समाज की सोच

राज्यपाल बोलीं

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

महिलाओं के प्रति समाज की सोच अब बदल रही है। पहले आधी आबादी के साथ सही व्यवहार नहीं होता था। खेत व पशुओं के अलावा घर के काम में ही पूरी जिंदगी बीत जाती थी। बेटियों को पहले पढ़ाया नहीं जाता था। यह बात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कही।

सीएसए में शुक्रवार को कृषक महिला सशक्तिकरण खाद्य एवं पोषण सुरक्षा एवं ग्राम्य समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, उच्चशिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री संदीप सिंह व विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने किया। कार्यक्रम में 11 जिलों की करीब 1500 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

रोडमैप पुस्तक का विमोचन व एक महिला को दी गई सिलाई मशीन : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डॉ. एचजी प्रकाश व डॉ. श्वेता ने एक पुस्तिका तैयार की है, जिसका नाम है रोडमैप। राज्यपाल समेत सभी अतिथियों ने इस पुस्तक का विमोचन किया।

चार महिलाओं ने साझा किया अपना काम : राज्यपाल के समझ चार महिला बिंदु सिंह, नीलम चतुर्वेदी, साक्षी विद्यार्थी व डॉ. अनुपमा ने अपने कार्यों को साझा किया। बिंदु सिंह ने कहा कि वे विवि के गोद लिए गांव अनूपपुर में जल्द मिट्टी के बर्तन बनाने की एक यूनिट लगाएंगी।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने सभी अतिथियों को तुलसी का पौधा, शाल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत व नीलिमा कटियार ने महिला सशक्तिकरण के लिए चल रही सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

शुक्रवार को सीएसए में कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं राज्यपाल, कृषि मंत्री व अन्य।

शुक्रवार को सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।